RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 03 सितंबर 2025 वर्ष 07 अंक 136 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : डिंडोशी पुलिस ने वाहन चोरी का मामला सुलझाया

Page - 2

महाराष्ट्र सरकार ने मानी मांगें तो जरांगे ने

खत्म किया अनशन...

मुझे खुशी है कि ये अनशन खत्म हुआ – मुख्यमंत्री

हैदराबाद गजट ही प्रमाण क्यों?

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठा आरक्षण आंदोलनकर्ता मनोज जरांगे पाटिल की मांगें मान लिए जाने के बाद जरांगे पाटिल ने अपना पांच दिनों से चल रहा अनशन समाप्त कर दिया है। जरांगे की मांग थी कि सरकार हैदराबाद गजट को प्रमाण मानकर मराठवाड़ा एवं पश्चिम महाराष्ट्र के मराठों के कुनबी होने का प्रमाणपत्र देगी, और इन कुनबियों को ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण प्रदान किया जाएगा। इस समझौते के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि अब सबूत के तौर पर हैदराबाद गजेटियर काम आएगा। मुझे लगता है कि मराठा समाज को इससे बहुत लाभ मिलेगा।

गतिरोध हुआ समाप्त

मनोज जरांगे पाटिल एवं सरकार के बीच पिछले पांच दिनों से चला आ रहा गतिरोध उस समय समाप्त हो गया, जब मराठा आरक्षण पर विचार करने के लिए बनाई गई कैबिनेट उपसमिति के प्रमुख एवं वरिष्ठ मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल दो अन्य मंत्रियों के साथ जरांगे पाटिल से बात करने उनके अनशन स्थल आजाद मैदान पहुंचे।

मंत्रियों ने जरांगे पाटिल को आश्वस्त किया कि उनकी मांग के अनुसार ह्यहैदराबाद गजेट'को कुनबी-मराठा पहचान के प्रमाण के तौर पर मान्यता दी जाएगी। इसके बाद मनोज जरांगे पाटिल ने मंत्रियों द्वारा साथ लाए गए प्रपत्र को माइक पर पढ़कर आजाद मैदान में जमा अपने समर्थकों को सुनाया और कहा कि हम जीत गए हैं। आज हमें गरीबों की ताकत का अहसास हो गया है।

क्या है जीआर में?

मंगलवार को एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत सरकार ने उनकी मांगें मान लीं, और इस आशय का सरकारी आदेश (जीआर) जारी कर दिया कि हैदराबाद राजपत्र के ऐतिहासिक अभिलेखों को मराठा समाज के सदस्यों को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र देने के लिए वैध साक्ष्य माना जाएगा। जीआर में कहा गया है कि आजादी के पहले की हैदराबाद रियासत की सन 1900, 1902, 1918, 1923, 1926, 1928 और 1948 में जारी अधिसूचनाएं एवं अभिलेखों को मराठों को कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे मराठों को कुनबी मानकर उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटे के अंतर्गत शिक्षा एवं नौकरियों में आरक्षण दिया जा सकेगा।

फडणवीस ने जताई खुशी...

यदि आज सरकारी आदेश (जीआर) जारी हो गया तो हम आज ही रात नौ बजे तक मुंबई से रवाना हो जाएंगे। जीआर जारी होने के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मुझे खुशी है कि ये अनशन आज खत्म हुआ। इसके लिए मैं अपने मंत्रिमंडल एवं दोनों उपमुख्यमंत्रियों का भी अभिनंदन करता हूँ। मेरा मानना है कि राजनीति में आपको कभी पत्थर मारेंगे, कभी गाली देंगे, तो कभी माला भी पहनाएंगे। जीआर जारी होने के बाद मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने मनोज जरांगे पाटिल को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया। जरांगे के समर्थकों ने गुलाल उड़ाकर जीत का जश्न मनाया और मुंबई से वापस जाने लगे हैं। मनोज जरांगे पाटिल अपने हजारों समर्थकों के साथ मुंबई आकर 29 अगस्त से दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में अपना अनशन शुरू कर दिया था, और कहा था कि वह अपनी मांगें पूरी होने के बाद ही मुंबई से वापस जाएंगे।

ठाणे : कलवा रेलवे स्टेशन को उड़ाने की दी धमकी!

43 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार

ठाणे : ठाणे से सटे कलवा रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में 43 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गहन जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली थी। राजकीय रेलवे पुलिस कि आरोपी रूपेश मधुकर रणपिसे ने रविवार शाम करीब चार बजे पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर बताया कि उसने कलवा रेलवे स्टेशन पर बम रखा है।

जीआरपी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को इसके बारे में सूचित किया गया और बम निरोधक दस्ते तथा रेलवे सुरक्षाबल के श्वान दस्ते ने गहन तलाशी ली। आरोपी ने पुलिस को फोन पर बताया था कि वह बम के साथ कलवा रेलवे स्टेशन पर है और परिसर को उड़ा देगा। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

प्रस्तुत करना होगा दस्तावेज और हलफनामा

पार्टी को लिखित स्पष्टीकरण, संबंधित दस्तावेज और अध्यक्ष या महासचिव का हलफनामा प्रस्तुत झ करना आवश्यक है। इस मामले में सुनवाई 11 सितंबर 2025 को मुंबई स्थित महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय में होगी। इस सुनवाई में पार्टी अध्यक्ष, महासचिव या पार्टी प्रमुख का उपस्थित होना अनिवार्य है। चुनाव आयोग के उप - सचिव व संयुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी मनोहर पारकर के हस्ताक्षर से एक नोटिस जारी किया गया है।

पार्टियों का पंजीकरण रद्द...

एक दुसरी खबर में ठाणे जिले के उल्हासनगर एवं नवी मुंबई से पंजीकृत सेक्युलर अलायंस ऑफ इंडिया 'एवं राष्ट्रीय अंत्योदय कांग्रेस' नामक राजनीतिक दल का रजिस्ट्रेशन रद्द हो सकता है। इस संदर्भ में दोनों राजनीतिक पार्टियों को केंद्रीय चुनाव आयोग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग की तरफ से कहा गया है कि पिछले 6 वर्षों से यानी 2019 से इन पार्टियों ने कोई चुनाव नहीं लड़ा है। इसलिए आयोग का मानना है कि इन पार्टियों ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29अ के अनुसार एक राजनीतिक दल के रूप में कार्य करना बंद कर दिया है। इसी कारण से आयोग ने पार्टी का पंजीकरण रद्द करने का निर्णय लिया है। हालांकि कार्रवाई करने से पहले, पार्टी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है। जिसे गंभीरता से नहीं लेने पर इन पार्टियों का पंजीकरण रद्द हो सकता है।

ठाणे : रिहायशी इमारत की चौथी मंजिल से कूदकर व्यक्ति की आत्महत्या!

ठाणे : एक रिहायशी इमारत की चौथी मंज़िल से कूदकर 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। यह घटना वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सकलया अपार्टमेंट में हुई। मृतक की पहचान संतोष गिरी के रूप में हुई है, जो ठाणे के लौसवाड़ी में अपनी माँ के साथ रहता था। पुलिस को संदेह है कि वह अपनी दोनों पत्नियों के अलग होने के कारण अवसादग्रस्त था। वह शराब पीने का आदी था। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुँचे और उसे खून से लथपथ पाया। उसे तुरंत ठाणे सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कूपर अस्पताल में स्टाफ की भारी कमी, डॉक्टरों ने जताई चिंता

मुंबई : एचबीटी मेडिकल कॉलेज और डॉ. आर. एन. कूपर म्युनिसिपल जनरल हॉस्पिटल, जुहू, विले पार्ले के डॉक्टरों ने डीन को पत्र लिखकर कर्मचारियों की भारी कमी की ओर ध्यान दिलाया है जिससे मरीजों की देखभाल और भीड़ प्रबंधन में दिक्कत आ रही है। अपने पत्र में, डॉक्टरों ने आगाह किया है कि अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए, तो आवश्यक चिकित्सा सेवाओं में भारी व्यवधान आ सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल सहायक चिकित्सा अधिकारियों (एएमओ), चिकित्सा अधिकारियों (एमओ), पंजीकरण सहायकों, एक्स-रे तकनीशियनों, ड्रेसर, एम्बुलेंस परिचारकों, फार्मासिस्टों और अन्य सहायक कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है।

संपादकीय...

चीन को सुधारना होगा अपना रवैया...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री सात साल बाद चीन गए। इस दौरान मेजबान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अलावा कई अन्य नेताओं के साथ उनकी वार्ता हुई। खासतौर से चिनफिंग के साथ लंबे अर्से बाद मेल-मुलाकात और पुतिन के साथ उनकी आत्मीयता खासी चर्चित रही। एक ऐसे दौर में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां विशेषकर टैरिफ नीति दुनिया में हलचल मचा रही है, तब मोदी-चिनफिंग-पुतिन की तिकड़ी पर दुनिया भर की नजरें टिकना स्वाभाविक ही था। एससीओ के मंच पर प्रधानमंत्री ने भारत की प्राथमिकताओं को भी प्रमुखता से सामने रखा। पाकिस्तान द्वारा किए गए पहलगाम आतंकी हमले की एससीओ द्वारा निंदा करना भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत रही। यह रुख जून में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के उलट रहा, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले की निंदा को लेकर दोहरा रवैया दिखाया गया था। नई दिल्ली के लिए यह परिणाम न केवल आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एससीओ चार्टर के केंद्रीय मिशन को फिर से स्थापित करता है, बल्कि सदस्य देशों और यूरेशिया के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद की ओर वैश्विक ध्यान भी आकर्षित करता है। शिखर सम्मेलन से पहले और बाद में प्रधानमंत्री ने म्यांमार, मालदीव, मध्य एशिया, बेलारूस, रूस, आर्मेनिया और मिस्र के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं, ताकि कूटनीतिक संबंधों को मजबूत किया जा सके। कई मोर्चों पर प्रगति के बावजूद इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि एससीओ आंतरिक विरोधाभासों से भरा हुआ है। कई सदस्य इस मंच का उपयोग अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति और भू-राजनीतिक लाभ के लिए करते हैं, जिससे परस्पर विश्वास का अभाव और मतभेद उत्पन्न होते हैं।

इसका ही परिणाम है कि यह मंच आतंकवाद, कनेक्टिविटी की कमी और अफगानिस्तान की स्थिति जैसे प्रमुख क्षेत्रीय संकटों के प्रभावी ढंग से समाधान में असफल रहा है। चीन की भूमिका भी समस्याओं से भरी है। भारत के खिलाफ आतंकवाद को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करते आ रहे पाकिस्तान का चीन हरसंभव तरीके से बचाव करता आया है। पाकिस्तान के 80 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण अब चीन से आने लगे हैं। आपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसने पाकिस्तान को सहायता पहुंचाई। बीजिंग के संकीर्ण रणनीतिक हितों ने अफ-पाक क्षेत्र को आतंकवाद का गढ़ बना दिया है। इससे क्षेत्रीय संपर्क, सुरक्षा और आर्थिक विकास पर असर पड़ता है और एससीओ कमजोर पड़ता है। वर्ष 2017 में पूर्ण सदस्य के रूप में एससीओ में शामिल होने के बाद से भारत ने इस संगठन को कनेक्टिविटी और ऐसे सहयोगात्मक प्रयासों की ओर मोड़ने का प्रयास किया है, जो संप्रभुता का सम्मान करते हों।

Rokthok Lekhani News Update
WhatsApp group

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : डिंडोशी पुलिस ने वाहन चोरी का मामला सुलझाया

क्लीनर हैदराबाद से गिरफ्तार

मुंबई : डिंडोशी पुलिस ने एक वाहन चोरी के नाटकीय मामले को सुलझा लिया है जिसमें एक क्लीनर शामिल था जिसने अपने मालिक का वाहन चुरा लिया था और उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में अपने पैतृक स्थान भागने की कोशिश कर रहा था. पुलिस ने बताया कि आरोपी, जिसकी पहचान 25 वर्षीय नंदलाल राजपूत के रूप में हुई है, ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना मोबाइल फोन बंद रखा था; हालाँकि, जीपीएस सुविधा न होने के कारण वह रास्ता भटक गया और हैदराबाद पहुँच गया.

पुलिस ने बताया कि वे वाहन पर लगे फास्टैग स्टिकर के जरिए राजपूत का पता लगाने में सफल रहे और हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पुलिस समन्वय समूह की मदद से उसे चोरी के वाहन के साथ पकड़ लिया.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, राजपूत पिछले आठ सालों से मलाड स्थित कंपनी, नैन्सी इम्पैक्ट कंज्यूमर अथॉरिटी डिस्ट्रिक्ट एजेंसी में क्लीनर के तौर पर काम कर रहा था. इस दौरान, उसने गाड़ी चलाना सीखा, लाइसेंस हासिल किया और अक्सर स्थानीय डिलीवरी का काम भी करता था. 27 अगस्त को, उसके मालिक ने उसे मलाड और दहिसर के बीच सामान पहुँचाने का काम सौंपा. वाहन में लगभग 2 लाख रुपये मूल्य के उत्पाद थे और राजपूत ने ग्राहकों से लगभग 53,000 रुपये नकद भी लिए थे. चूँकि कुछ सामान नहीं पहुँचा था, इसलिए उसने रात लगभग 9 बजे वाहन कंपनी के कार्यालय में वापस कर दिया. हालाँकि, उसी रात बाद में, राजपूत कार्यालय वापस आया, वाहन चुराया और भाग गया.

अगली सुबह (28 अगस्त), जब मालिक कार्यालय पहुँचा, तो राजपूत और वाहन दोनों गायब थे. उसका फोन बंद होने के कारण उससे संपर्क करने के कई प्रयास विफल रहे, जिसके बाद मालिक ने डिंडोशी पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर, संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और डीसीपी आनंद भोइते (अतिरिक्त प्रभार) और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेंद्र शिंदे, पीएसआई अजीत देसाई और जांच दल की देखरेख में जाँच शुरू की गई. एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''चूँकि राजपूत का फोन बंद था और गाड़ी के मूल स्वामित्व के दस्तावेज गायब थे, इसलिए पुलिस को उसका पता लगाने में दिक्कत हुई. गाड़ी में फास्टटैग लगा था. जाँचकताओं ने पहले टैग को रिचार्ज किया और फिर टोल कटौती के अलर्ट मिलने लगे, जिससे पता चला कि गाड़ी हैदराबाद की ओर जा रही थी.'' पता न चलने पर, राजपुर ने अपना मोबाइल चालू किया, जिससे पुलिस को हैदराबाद में उसकी लोकेशन का पता लगाने में मदद मिली. अधिकारी ने बताया कि इसके बाद, आरोपी और गाड़ी का विवरण हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पुलिस समन्वय समूह के साथ साझा किया गया. हैदराबाद पुलिस की मदद से राजपूत को हिरासत में लिया गया. अधिकारी ने बताया कि इसके बाद डिंडोशी पुलिस की एक टीम ने उसे हिरासत में लिया और वापस मुंबई ले आई. पूछताछ के दौरान, राजपूत ने बताया कि वह फतेहपुर ज़िले का रहने वाला है, जहाँ उसके बीमार माता-पिता रहते हैं.

मुंबई : बहुप्रतीक्षित रो-रो फेरी सेवा खराब मौसम के कारण स्थगित...

मुंबई : बहुप्रतीक्षित रो-रो फेरी सेवा, जो सोमवार, 1 सितंबर से शुरू होने वाली थी, खराब मौसम के कारण स्थगित कर दी गई है. अब इसका शुभारंभ गणेश उत्सव के बाद एक औपचारिक उद्घाटन समारोह में होगा. रो-रो फेरी के लिए टिकट बुकिंग स्लॉट अभी तक शुरू नहीं हुए हैं. उम्मीद थी कि यह फेरी त्योहारों के मौसम में, जब सड़क यातायात अपने चरम पर होता है, मुंबई और कोंकण के बीच तेज और अधिक सुविधाजनक यात्रा विकल्प प्रदान करेगी. प्रतिकूल मानसून के कारण रो-रो फेरी का उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है. इससे पहले, कोंकण रेलवे द्वारा रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रो-रो) कार फेरी योजना के शुभारंभ ने यात्री संघों, नियमित यात्रियों और परिवहन कार्यकर्ताओं के बीच काफी बहस छेड़ दी थी. इस फेरी के बारे में नागरिकों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही, कुछ लोगों ने योजना को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए इसमें सुधार के सुझाव दिए.

कुछ लोगों ने इसमें पूर्ण सुधार की मांग की, और कुछ ने इसकी अव्यवहारिकता के कारण इसे पूरी तरह से रद्द करने की मांग की. कि कोंकण रेलवे ने घोषणा की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान 1 सितंबर से मुंबई और गोवा के बीच निजी कारों का परिवहन ट्रेन से शुरू करेंगे. यह परियोजना भारत में अपनी तरह की पहली सेवा होगी.

रोरो फेरी सेवा में, कारों का परिवहन ट्रेन द्वारा किया जाएगा, और प्रति कार अधिकतम तीन लोगों को लागू किराया चुकाने के बाद एक संलग्न 3अउ कोच में यात्रा करने की अनुमति होगी. प्रति कार माल की ढुलाई शुल्क 7,875 रुपये प्रति दिशा निर्धारित किया गया है, और प्रत्येक ट्रेन में अधिकतम 40 कारें आ सकती हैं.

मुंबई : मध्यम से भारी बारिश के आसार;

नागरिकों को समुद्र किनारों से दूर रहने की सलाह...

मुंबई : मुंबई और आसपास के उपनगरों में मंगलवार को आसमान सामान्यतः बादलों से घिरा रहेगा. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी की है कि आज पूरे दिन मध्यम वर्षा होने की संभावना है, जबकि कुछ इलाकों में भारी वर्षा भी दर्ज की जा सकती है. इससे शहर के निचले इलाकों में जलजमाव और यातायात बाधित होने की आशंका है. आज दोपहर 2:35 बजे निम्न ज्वार दर्ज किया जाएगा, जिसका स्तर लगभग 1.61 मीटर रहेगा. इसके बाद शाम 6:46 बजे उच्च ज्वार आने की संभावना है, जिसमें समुद्र का पानी 2.70 मीटर तक उठेगा. समुद्र के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों को समुद्र किनारों से दूर रहने की सलाह दी है.

मंगलवार देर रात और बुधवार तड़के भी समुद्र का जलस्तर बदलता रहेगा. कल, 3 सितंबर को सुबह 1:46 बजे निम्न ज्वार दर्ज किया जाएगा, जिसका स्तर लगभग 1.61 मीटर होगा. वहीं सुबह 9:22 बजे उच्च ज्वार का स्तर 3.38 मीटर तक पहुँचने की संभावना है. यह स्तर सामान्य से काफी अधिक माना जाता है, और इस दौरान समुद्र तटों पर जाने से बचने की चेतावनी दी गई है. आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी सक्रिय है और मुंबई में बारिश का सिलसिला अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है. मौसम विभाग ने नागरिकों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है. वहीं बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने जलजमाव और ट्रैफिक बाधाओं से निपटने के लिए अपनी आपातकालीन टीमों को सतर्क मोड पर रखा है. यातायात पुलिस ने भी अपील की है कि भारी वर्षा और उच्च ज्वार के समय लोग समुद्र किनारों पर भीड़ न करें और सुरक्षित स्थानों पर रहें. मौसम की इस स्थिति को देखते हुए रेल और सड़क यातायात में भी देरी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता.

मुंबई : गणपति विसर्जन के दौरान पश्चिम रेलवे छह जोड़ी विशेष मुंबई लोकल ट्रेनें चलाएगा

मुंबई : अनंत चतुर्दशी पर गणपति विसर्जन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए, पश्चिम रेलवे 6-7 सितंबर की मध्यरात्रि को चर्चगेट और विरार के बीच छह जोड़ी विशेष मुंबई लोकल ट्रेनें चलाएगा. पश्चिम रेलवे ने कहा कि अतिरिक्त सेवाओं का उद्देश्य शहर भर के विभिन्न विसर्जन स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा सुनिश्चित करना है. इसने यात्रियों से अपील की है कि वे समय की जाँच करें और अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएँ.

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि गणपति उत्सव के पाँचवें दिन के उत्सव के बाद सोमवार सुबह तक मुंबई में समुद्र और अन्य जलाशयों में भगवान गणेश की 40,000 से अधिक मूर्तियों का विसर्जन किया गया. बृहन्मुंबई नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि विसर्जन प्रक्रिया के दौरान अब तक शहर में किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है.

यह उत्सव गणेश चतुर्थी (27 अगस्त) से शुरू हुआ और अनंत चतुर्दशी (6 सितंबर) को समाप्त होगा. बड़ी संख्या में श्रद्धालु डेढ़ दिन के बाद, साथ ही पाँचवें और सातवें दिन भी मूर्तियों का विसर्जन करते

हैं. रविवार को पाँचवें दिन के उत्सव के बाद, सोमवार सुबह 9 बजे तक कुल 40,225 मूर्तियों का समुद्र, अन्य जलाशयों और कृत्रिम तालाबों में विसर्जन किया गया. अधिकारियों ने बताया कि इनमें 39,037 घरेलू गणपति मूर्तियाँ, 1,175 सार्वजनिक मंडलों की मूर्तियाँ और देवी हरतालिका की 13 मूर्तियाँ शामिल थीं. इससे पहले शुक्रवार को, कुल 60,177 डेढ़ दिन की गणपति मूर्तियों का विभिन्न जलाशयों और कृत्रिम तालाबों में विसर्जन किया गया था. इनमें से 29,683 मूर्तियाँ प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी थीं और 30,494 पर्यावरण-अनुकूल मिट्टी से बनी थीं. नगर निगम के अनुसार, उसने गणपति प्रतिमा विसर्जन के लिए लगभग 290 कृत्रिम तालाबों के अलावा चौपाटी, झीलों और समुद्र तटों जैसे लगभग 70 प्राकृतिक जलाशयों का निर्माण किया है.

पर्यावरण संरक्षण के अपने प्रयासों के तहत, नगर निगम ने लोगों से अपनी पर्यावरण-अनुकूल गणपति प्रतिमाओं को ड्रम या बाल्टियों में विसर्जित करने का आग्रह किया है. छह फीट से कम ऊँचाई वाली पीओपी प्रतिमाओं को कृत्रिम तालाबों में विसर्जित किया जाना चाहिए. इसके साथ ही, बीएमसी ने पंडालों के लिए 1,022 मूर्ति निमार्ताओं को मुफ्त जमीन देकर और 990 मीट्रिक टन मिट्टी (शादु माटी) और 3,000 लीटर प्राइमर सहित 10,800 लीटर पर्यावरण-अनुकूल रंग वितरित करके पर्यावरण-अनुकूल गणपति पहल को बढ़ावा दिया है. इस बीच, नगर निगम अधिकारियों ने जुलूस में भाग लेने वाले भक्तों के लिए सुरक्षा सलाह जारी की है. बीएमसी ने मध्य और पश्चिमी रेलवे लाइनों पर 12 पुलों को खतरनाक या मरम्मत के अधीन के रूप में चिन्हित किया है, जिनमें करी रोड और आर्थर रोड फ्लाईओवर, सैंडहर्स्ट रोड रेलवे फ्लाईओवर, फ्रेंच ब्रिज और दादर में लोकमान्य तिलक ब्रिज शामिल हैं.

मुंबई : मराठा आरक्षण आंदोलन; जज को हाईकोर्ट तक पैदल तय करनी पड़ी दूरी

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने मराठा आरक्षण आंदोलन के लिए एक्टिविस्ट मनोज जारंगे पाटिल और उनके समर्थकों को कड़ी फटकार लगाई है. जिनकी वजह से मुंबई की सड़कें जाम हो गई हैं. बीते दिन प्रदर्शनकारियों ने एक जज की कार को रोक दिया, जिसकी वजह से उन्हें हाईकोर्ट तक पहुंचने के लिए कुछ दूरी पैदल तय करनी पड़ी. रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस गौतम अखंड की पीठ ने कहा कि मुंबई शहर सचमुच 'पंगु' हो गया है और हाईकोर्ट घेरे में है. पीठ ने कहा कि हर सड़क, खासकर आजाद मैदान, मंत्रालय, फ्लोरा फाउंटेन, मरीन ड्राइव का पूरा इलाका प्रदर्शनकारियों से भरा पड़ा है.

मुंबई : केले बेचने के ठेले की आड़ में ड्रग्स की तस्करी ;

बुजुर्ग गिरफ्तार 53 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद

मुंबई : मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-9 ने बांद्रा इलाके से एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है, जो केले बेचने के ठेले की आड़ में ड्रग्स की तस्करी कर रहा था। आरोपी की पहचान 60 वर्षीय मोहम्मद अली अब्दुल गफ्फार शेख के रूप में हुई है। आरोपी के पास से 153 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 35.30 लाख रुपए बताई जा रही है। दरअसल, क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली थी कि बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास केले बेचने वाला एक ठेलेवाला असल में ड्रग्स बेचने का काम करता है।

इस पर पुलिस टीम ने सिविल ड्रेस में निगरानी शुरू की। देर रात मोहम्मद अली को बांद्रा बस डिपो के पास महाराष्ट्रनगर रोड से गुजरते

देखा गया। जब उसे रोका गया और उसके ठेले की जांच की गई, तो पुलिस को एक स्टील के डिब्बे में 153 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। आरोपी को तुरंत हिरासत में लिया गया और पूछताछ के बाद एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। मोहम्मद अली को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 3 सितंबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि मोहम्मद अली आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। कोई स्थायी नौकरी न मिलने के कारण उसने केले बेचने का धंधा शुरू किया, लेकिन कम कमाई के चलते वह फल बेचने की आड़ में ड्रग्स की तस्करी करने लगा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उसे ड्रग्स की सप्लाई कौन करता था, वह कब से इस धंधे में शामिल था, क्या उसके कोई साथी भी हैं और क्या उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। इससे पहले, मुंबई पुलिस ने 22 अगस्त को ड्रग्स तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए वडाला इलाके से 51 किलो गांजा बरामद किया था। पुलिस ने इस दौरान दो ड्रग सप्लायरों को भी गिरफ्तार किया था। बरामद किए गए मादक पदार्थ की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 11 लाख रुपए आंकी गई थी।

उड़ान में 14 घंटे से अधिक की की देरी के दौरान एयरलाइन ने सिर्फ एक बर्गर और फ्रेंच फ्राई खाने के लिए दिया; स्पाइसजेट को 55 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश...

मुंबई : जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट को एक यात्री को 55 हजार रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मामला उस यात्री से जुड़ा है, जिसे उड़ान में 14 घंटे से अधिक की की देरी के दौरान एयरलाइन ने सिर्फ एक बर्गर और फ्रेंच फ्राई खाने के लिए दिया। आयोग ने इसे यात्रियों की उचित देखभाल में गंभीर कमी माना। आयोग के अध्यक्ष प्रदीप कडू और सदस्य गौरी कापसे ने कहा कि तकनीकी खराबी भले ही देरी का कारण रही हो, लेकिन इससे एयरलाइन अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो सकती। यात्रियों को पर्याप्त भोजन, पानी और आराम की सुविधा देना एयरलाइन का कर्तव्य है। आयोग ने साफ किया कि उड़ान रद्द होना या देरी होना आम बात हो सकती है, लेकिन इस दौरान यात्रियों को पूरी जानकारी और बुनियादी सुविधाएं देना जरूरी है।

क्या है मामला?

शिकायतकर्ता ने 27 जुलाई 2024 को दुबई से मुंबई की यात्रा के लिए टिकट बुक किया था। उड़ान में लंबी देरी के दौरान उसे सिर्फ एक बार बर्गर और फ्रेंच फ्राई दिए गए। यात्री ने इसे नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के नियमों का उल्लंघन बताया, जिनमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि लंबी देरी होने पर यात्रियों को भोजन, जलपान और जरूरत पड़ने पर होटल में ठहरने की व्यवस्था करनी होगी।

वहीं, स्पाइसजेट ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि देरी परिचालन और तकनीकी कारणों से हुई थी और ऐसी असाधारण परिस्थितियों में एयरलाइन को नियमों से छूट मिलती है। हालांकि सभी तथ्यों पर विचार करते हुए आयोग ने माना कि एयरलाइन अपनी सेवाओं की कमी को साबित करने में नाकाम रही और यात्री को उचित सुविधा नहीं मिली। इसलिए यात्री के हुए खर्च और मानसिक पीड़ा के लिए मुआवजा मिलना चाहिए।

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (मुंबई उपनगर) ने आदेश दिया कि यात्री को मानसिक पीड़ा और खर्च की भरपाई के लिए 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाए। इसके साथ ही मुकदमे की लागत के रूप में 5 हजार रुपये अतिरिक्त देने का भी निर्देश दिया गया।

पुलिस ने आजाद मैदान को तुरंत खाली करने को कहा ;

मुंबई तभी छोड़ेंगे, जब मराठों को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण मिल जाएगा - मनोज जरांगे पाटिल

मुंबई : पुलिस ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल को नोटिस जारी किया और आजाद मैदान को तुरंत खाली करने को कहा है। हाई कोर्ट के निर्देश के बाद मुंबई पुलिस ने मनोज जरांगे पाटिल को नोटिस जारी किया है। इसलिए, सबकी नजर इस बात पर है कि मुंबई पुलिस के नोटिस के बाद मनोज जरांगे पाटिल क्या फैसला लेते हैं।

जानकारी के मुताबिक, मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल को जिन

शर्तों के आधार पर आंदोलन के लिए इजाजत दी गई थी उनका उल्लंघन करने की वजह से मुंबई पुलिस ने नोटिस देते हुए तुरंत आजाद मैदान खाली करने का निर्देश दिया है। आपको बता दें कि मनोज जरांगे पाटिल मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं। उनका अनशन पांचवें दिन भी जारी है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने जरांगे के समर्थकों से मंगलवार दोपहर तक मुंबई की सभी सड़कें खाली करने और सामान्य स्थिति को बहाल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि वह ''जरांगे और प्रदर्शनकारियों को यह सुनिश्चित करने का अवसर दे रही है कि मंगलवार दोपहर तक सभी सड़कें खाली और साफ कर दी जाएं।'' कोर्ट ने सोमवार को ये भी कहा था कि मराठा आरक्षण आंदोलन के कारण पूरा शहर ठहर गया है और यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है तथा इसमें सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया है।

मुंबई तभी छोड़ूंगा जब...

मनोज जरांगे पाटिल मराठा समुदाय को को आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। जरांगे ने साफ तौर पर कहा है कि वह मुंबई तभी छोड़ेंगे, जब मराठों को ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) श्रेणी के तहत आरक्षण मिल जाएगा।

मुंबई : सरकार बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश का पालन करेगी - मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश का पालन करेगी जिसमें अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों द्वारा कब्जा की गई सड़कें खाली कराने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मराठा समर्थक कार्यकर्ता मनोज जरांगे-पाटिल का आंदोलन केवल आजाद मैदान में ही होना चाहिए, कहीं और नहीं। उन्होंने अधिकारियों को मुंबई आने वाले अन्य प्रदर्शनकारियों को रोकने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, ''मैं यात्रा कर रहा था। मैंने नहीं देखा कि अदालत ने क्या कहा है। लेकिन जहां तक मैं समझता हूं, मनोज जरांगे-पाटिल को अनशन की अनुमति कुछ शर्तों के अधीन दी गई थी। इन शर्तों का उल्लंघन किया गया है। अदालत ने

विशेष रूप से सड़कों पर हो रही घटनाओं पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। अदालत ने कुछ निर्देश दिए हैं। सरकार उन निदेशों का पालन करेगी।''

मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी कहा कि यह नहीं कहा जा सकता है कि मुंबई में जरांगे-पाटिल के आंदोलन के कारण कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई कुछ घटनाएं निश्चित रूप से सराहनीय नहीं हैं, जिनमें पत्रकारों, खासकर महिला पत्रकारों पर हमले शामिल हैं। यही वजह है कि विरोध प्रदर्शन को झटका लग रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला पत्रकार या पत्रकार अपना काम कर रहे हैं। इसलिए उन पर हमले महाराष्ट्र की संस्कृति के अनुरूप नहीं हैं। इसकी हर स्तर पर निंदा होनी चाहिए। हमने पहले भी 30 से ज्यादा मार्च देखे हैं। हमने उन मार्चों का अनुशासन देखा है। हमने उन मौन मार्चों के बाद सरकार द्वारा लिए गए सकारात्मक फैसलों को भी देखा है। पुणे रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री फडणवीस ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे, अजित पवार और अन्य मंत्रियों के साथ अपने आधिकारिक आवास वर्षा पर मुलाकात की और जरांगे-पाटिल के विरोध के कारण उत्पन्न स्थिति पर चर्चा की। सीएम फडणवीस ने कहा कि सरकार समाधान निकालने के लिए हर संभव तरीके से चर्चा कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार जिद्दी नहीं हो सकती। सरकार में कोई अहंकार नहीं है। हम कोई रास्ता निकाल रहे हैं। अगर कोई बातचीत के लिए आगे आता है, तो जल्द ही समाधान निकल आएगा।

नासिक : 20,000 रुपये प्रति किलो की कीमत वाला एक अनोखा 'गोल्डन मोदक'

नासिक : एक मिठाई की दुकान गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान 20,000 रुपये प्रति किलो की कीमत वाला एक अनोखा 'गोल्डन मोदक' बेच रही है। अपनी शानदार कीमत और अनोखे रूप के कारण इस 'गोल्डन मोदक' ने स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, जिससे यह इस साल महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी उत्सव के लिए सबसे महंगे प्रसादों में से एक बन गया है। इस खास मिठाई को बनाने वाली दुकान ने न केवल पारंपरिक सामग्रियों पर ध्यान केंद्रित किया है, बल्कि एक उच्च-गुणवत्ता वाली किस्म भी तैयार की है, जिसमें संभवतः खाने योग्य सोना या उच्च-गुणवत्ता वाली चीजें शामिल हैं।

मोदक (एक भारतीय मिठाई) और गणेशोत्सव का एक अनोखा संबंध है। कई नागरिक दुकानों से मोदक खरीदते हैं और बड़े चाव से खाते हैं। मोदक के साथ, पेड़े, जलेबी, खीर, श्रीखंड, आम्रखंड, गुलाब जामुन, बासुंदी और अन्य प्रसिद्ध मिठाइयाँ भी खाई जाती हैं। इस पूरे पखवाड़े के दौरान पुणे जिले में कई गणेश मंडल प्रतिदिन लाखों भक्तों को प्रसाद वितरित करते हैं। यह मिठाई, दूध उत्पाद, नारियल या फल हो सकते हैं।

कल्याण : कोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को बरी किया; मां कोर्ट में हो गई बेहोश

कल्याण : मुंबई से सटे कल्याण में कोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में जब आरोपी को बरी किया तो उसकी मां कोर्ट में बेहोश हो गई। युवक पर 6 साल की बच्ची से बलात्कार करने का आरोप लगा था। कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में उसे बरी किया, तो मां कोर्ट में बेहोश हो गई। इसके बाद यह पूरी घटना सुर्खियों में आ गई। घटना के वक्त आरोपी युवक के परिजनों ने कहा था कि वह निर्दोष है लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हु पुलिस ने उसे अरेस्ट किया था। इसके बाद उसे अलग-अलग परिस्थितियों के चलते छह साल जेल में काटने पड़े। कोर्ट ने जब फैसला सुनाय तो मां की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

2020 में लगा था दुष्कर्म का आरोप

जानकारी के अनुसार जनवरी 2020 में कल्याण पश्चिम के वालधुनी इलाके की एक महिला ने आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाले अल्ताफ खान ने अपने घर में बुलाकर उसकी लगभग 6 साल की बेटी के साथ बलात्कार किया है। इसके बाद महात्मा फुले पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज किया था। पुलिस ने घटना के बाद आरोपी अल्ताफ खान को गिरफ्तार कर लिया गया। अल्ताफ के परिवार ने तब भी कहा था कि वह निर्दोष है। उसने कुछ नहीं किया है। जिस दिन का घटना का जिक्र शिकायत में है, हम सब घर पर थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। एक ओर जांच चल रही थी तभी कोविड शुरू हो गया। इसके बाद कल्याण जिला सत्र न्यायालय ने उसकी जमानत अर्जी 2 बार खारिज कर दी। परिवार को बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख करना पड़ा। हाईकोर्ट ने भी उसकी जमानत अर्जी 2 बार खारिज की।

हिंदू वकील ने लड़ा केस

अल्ताफ नाम के आरोपी की दुष्कर्म के मामले में एक हिंदू वकील ने पैरवी की। जब यह मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में गया तो वकील गणेश घोलप ने अदालत में अल्ताफ की ओर से बहस की। अल्ताफ के खिलाफ कोई सबूत नहीं था। ऐसे में उसे बरी कर दिया गया। कोर्ट से बरी होने के बाद लभगभग 6 साल बाद अल्ताफ को जेल से बाहर आने को मिला है। फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के बाद अल्ताफ ने कहा कि अब मैं अपना अगला जीवन जी पाऊंगा। खास बात यह है कि अदालत ने अल्ताफ को बरी करने का जब फैसला सुनाया, उसकी मां कोर्ट में ही मौजूद थी। जज का फैसला सुनते ही वह बेहोश हो गई। इसके बाद कोर्ट परिवार में थोड़ा अफरा-तफरी मच गई। मां को तुरंत चिकित्सीय मदद दी गई।

मुंबई : जुहू बस स्टेशन पर मराठा प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने एक यात्री पर हमला किया और बेस्ट की एक बस को क्षतिग्रस्त कर दिया

मुंबई : मराठा प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने जुहू बस स्टेशन पर एक यात्री पर हमला किया और बेस्ट की एक बस को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना ने प्रदर्शनों के दौरान जन सुरक्षा को लेकर चिंताएँ पैदा कर दीं। रिपोर्टों के अनुसार, रूट संख्या 201 पर बेस्ट की एक बस बिना किसी कर्मचारी के स्टॉप पर खड़ी थी, तभी प्रदर्शनकारियों और कुछ यात्रियों के बीच बहस छिड़ गई। यह विवाद मारपीट में बदल गया।

बस के अंदर एक यात्री के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई। प्रदर्शनकारियों ने गाड़ी के दाहिनी ओर पीछे से तीसरी खिड़की भी तोड़ दी। घटना का 59 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बेस्ट के मार्शल और कर्मचारी मौके पर पहुँचे और स्थिति को शांत किया। उनके प्रयासों के बावजूद, समूह तब तक आक्रामक रहा जब तक कि आपातकालीन हेल्पलाइन के माध्यम से पुलिस को सूचित नहीं किया गया। पुलिस के पहुँचने तक, प्रदर्शनकारी और यात्री दोनों ही घटनास्थल से जा चुके थे। क्षतिग्रस्त बस को सेवा से हटा दिया गया और यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 35 वर्षीय पैदल यात्री की मौत

ठाणे : भिवंडी में रविवार तड़के एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 35 वर्षीय एक पैदल यात्री की मौत हो गई। मृतक की पहचान मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भिवंडी निवासी बीरेंद्र राजभर के रूप में हुई है। यह हादसा नासिक-ठाणे हाईवे पर राजनोली नाका के पास सुबह करीब 4 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार, अज्ञात वाहन लापरवाही से चला रहा था और उसने सड़क पार कर रहे राजभर को टक्कर मार दी। उसके सिर, पैर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। एक राहगीर ने दुर्घटना देखी और तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। राजभर को भिवंडी के इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मुंबई : मेट्रो लाइन 4 के पहले चरण के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर का लगभग 60% निर्माण कार्य पूरा

मुंबई : मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मेट्रो लाइन 4 के पहले चरण के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर का लगभग 60% निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। पहले चरण के तहत, एमएमआरडीए 10.5 किलोमीटर लंबे हिस्से पर सेवाएं शुरू करने की योजना बना रहा है, जिसमें से 6.9 किलोमीटर हिस्से पर एलिवेटेड वायडक्ट का निर्माण, जिसमें गर्डर और प्रीकास्ट सेगमेंट शामिल हैं, पूरा हो चुका है। गर्डर और ट्रैक बिछाने का काम पूरा एमएमआरडीए के अनुसार, कपूरबावड़ी, मानपाड़ा, टिकुजिनीवाड़ी, डोंगरीपाड़ा, विजय गार्डन और कासरवडावली स्टेशनों के बीच प्रीकास्ट सेगमेंट, यू-गर्डर और आई-गर्डर लगाने का काम पूरा हो चुका है, जबकि इस क्षेत्र में यातायात काफी अधिक है।

संपर्क कार्यालय : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com